शुक्रवार, 21 अगस्त 2026

विकल्प

अभ्युदय-2026

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के विद्यार्थियों का प्रायोगिक पत्र

पूर्व छात्र एवं राज्यसभा सांसद रजनीश कुमार अग्रवाल की छात्रों को सीख

समाज को पढ़ना नहीं सीखा तो अच्छे पत्रकार नहीं बन पाओगे

नैतिकता और मूल्य छोड़कर किसी भी क्षेत्र में सफल नहीं हो सकते

विश्वविद्यालय के नवागत विद्यार्थियों के तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम 'अभ्युदय 2026' का समापन हो गया। इस सत्र में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और राज्यसभा सांसद रजनीश कुमार अग्रवाल ने नवागत विद्यार्थियों को अपने जीवन के अनुभवों से अर्जित सीख दी। उन्होंने छात्रों से कहा कि बिना मूल्यों और नैतिकता के आप किसी भी क्षेत्र में सफल नहीं हो सकते। समाज, संस्कृति और विरासत के महत्व को समझाते हुए उन्होंने कहा कि समाज, संस्कृति और विरासत से जुड़ाव के बिना पत्रकारिता का तत्व जीवित नहीं रह सकता। यह समाज इसलिए टिका हुआ है, क्योंकि कहीं न कहीं नैतिकता जीवित है। उन्होंने छात्रों को अपने अंदर पत्रकारिता का तत्व जीवित रखने के लिए प्रेरित किया। समापन सत्र में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने सत्र की भूमिका प्रस्तुत की। उन्होंने छात्रों से कहा, "इस पड़ाव से आपकी यात्रा शुरू हुई है। यह आरंभ प्रचंड है।" पीएमओ में मीडिया कोऑर्डिनेटर आशुतोष कुमार सिंह, डीआरडीओ के तकनीकी अधिकारी देवरूप आर्या, इकिगाई स्कूल के संस्थापक कुमार सौरभ और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ अभिषेक बेहरा ने छात्रों को संबोधित किया। कुलसचिव डॉ. पी. शशिकला ने आभार व्यक्त किया।

कुमार सौरभ का इकिगाई स्कूल

बिना छुट्टी वाला स्कूल

नोएडा में एक ऐसा स्कूल है, जहां सालभर कोई छुट्टी नहीं होती। होली, दिवाली, भीषण गर्मी या बरसात यहां हर दिन बच्चे स्कूल आते हैं। दिलचस्प बात यह है कि बच्चों के आग्रह पर यह स्कूल 365 दिन खुला रहता है। शिक्षक के मौजूद न होने पर भी स्कूल में कक्षाएं लगती हैं, जिसमें विद्यार्थी एक दूसरे को पढ़ाते हैं। इसके संचालक कुमार सौरभ माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने गुरुवार को अभ्युदय कार्यक्रम में अपने स्कूल के अनुभव साझा किए। जिसमें वो छात्रों को कहते हैं, "बड़े सपने देखना सीखो, स्टोरी कहना सीखो।"

अजित डोभाल का शुभकामना संदेश

देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने एमसीयू के विद्यार्थियों के नाम पत्र भेजा

देवरूप की ज़िंदगी में ऐसे आए जगजीत

तेरी खुशबू से लिखे खत जलाता कैसे...

बैडमिंटन, ग़ज़ल गायक जगजीत सिंह और राइटिंग स्किल- ये तीन ऐसी चीज़ें हैं, जो माखनलाल विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र देवरूप आर्या की ज़िंदगी में उस समय आईं, जब वे विश्वविद्यालय में पढ़ने आए। देवरूप कहते हैं कि बैडमिंटन ने उन्हें अनुशासन, एकाग्रता और हार के बाद फिर से उठ खड़े होने का जज़्बा सिखाया। वहीं, जगजीत सिंह की ग़ज़लों ने उन्हें भावनाओं को समझना और महसूस करना सिखाया। इन सबके बीच, क्लासरूम ने उन्हें लिखने का हुनर दिया। देवरूप मानते हैं कि आज अगर वे अपनी ज़िंदगी में एक सफल मुकाम पर हैं, तो इसके पीछे माखनलाल विश्वविद्यालय में बिताए उन्हीं दिनों की सीख और सबक है।

एक पौधा नई पीढ़ी के नाम

विश्वविद्यालय से हर साल एक नई पीढ़ी निकलती है। यदि आप विश्वविद्यालय में एक पौधा लगाएंगे तो आने वाली पचास पीढ़ियाँ उससे लाभान्वित होंगी।

-आशुतोष कुमार सिंह
मीडिया कॉर्डिनेटर, पीएमओ

आठवाँ सत्र

अंतिम दिन के प्रथम सत्र में दूरदर्शन शिमला के सहायक निदेशक प्रकाश पंत, स्पुतनिक न्यूज़ के एडिटर कृष्ण मोहन मिश्रा, लेखक सचिन जैन, डिजिटल दैनिक जागरण के प्रबंध संपादक अनिल पांडेय, ज़ी न्यूज़ के कमोडिटी संपादक मृत्युंजय कुमार झा ने संबोधित किया ।

नौवां सत्र

द्वितीय सत्र में ए.एम.पी.एल. की फाउंडर आयुषी श्रीवास्तव, सोशियो के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुलभ सिंह, उद्यमी अमित कौसरवल, कम्युनिकेशन एक्सपर्ट कविता कौसरवल और डेलॉइट यूएस इंडिया के प्रबंधक आशीष चौहान ने संबोधित किया ।